जुलाई का जीएसटी आर-1 अभी भर सकता हूं क्या?

प्रतिदिन अखबार विशेष साक्षात्कार

सीए महेश लढ्ढा, जीएसटी विशेषज्ञ

अमरावती- देश में अप्रत्यक्ष कर क्षेत्र की नई प्रणाली वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) को लागू हुए चार माह बीत चुका है, अभी भी शहर के व्यापारी-दुकानदर व कारोबारी जीएसटी को लेकर संभ्रम में हैं. नेटवर्क, पंजीकरण, टैक्स कर रचना, पुराना सर्विस टैक्स रजिस्ट्रेशन में दिक्कत, पुराने स्टॉक को लेकर असमंजस, रिटर्न भरने की प्रक्रिया, दस्तावेज को लेकर संभ्रम, बारकोड, बिल के साथ जीएसटी नंबर जोड़ना, सीवीडी-एसएडी क्रेडिट ऐसी अनेक समस्याएं और प्रश्न व्यापारियों के समक्ष हैं. व्यापारियों और कारोबारियों के दिल में उमड़ने वाले सवाल और शंकाओं का समाधान करने 'प्रतिदिन अखबार' ने हमेशा की तरह सकारात्मक पहल की है. 'एक देश एक कर' व्यवस्था को लेकर व्यापारियों के हर प्रश्न और शंका का समाधान शहर के सुप्रसिद्ध जीएसटी विशेषज्ञ सीए महेश लढ्ढा द्वारा समाधान प्रकाशित कर रहे हैं.

जनसामान्य और छोटे-बड़े व्यापारी अपने प्रश्न और शंका पूछ सकते हैं. आप अपनी शंका, समस्या, प्रश्न, नाम व पता तथा टेलीफोन या मोबाइल नंबर आदि वॉट्सएप क्रमांक 7020041062 पर भेजें या मेल करें E-mail- gstpratidin@gmail.com.

● सवाल - जुलाई का जीएसटीआर 1 भरना रह गया है, क्या अब मैं भर सकता हूं क्या?

▶ जवाब - जीएसटीआर-2 सब्मिशन के वजह से जीएसटीआर 1 का दाखिल करना बंद था. जीएसटीआर 2 और जीएसटीआर 3 को सरकार कुछ समय के लिए स्थगित किया है. आप जुलाई का जीएसटीआर-1 दाखल कर सकते हैं. सरकार ने जीएसटीआर-1 दाखल करने की प्रणाली में कुछ बदलाव किए हैं. अब दाखल करने की समयसीमा निम्न प्रकार रहेगी.

टर्नओवर 1.5 सीआर तक (तीमाही)

	समय सीमा
जुलाई से सितंबर	31-12-2017
अक्टूबर से दिसंबर	15-02-2018
जनवरी से मार्च	30-04-2018

टर्नओवर 1.5सीआर से ज्यादा (मंथली/मासिक)

	समय सीमा
जुलाई से अक्टूबर	31-12-2017
नवंबर	10-01-2018
दिसंबर	10-02-2018
जनवरी	10-03-2018
फरवरी	10-04-2018
मार्च	10-05-2018

● सवाल - लेट फी कब कब भरना होगा?

▶ जवाब - जुलाई से सितंबर तक की जीएसटीआर-3बी की लेट फी सरकार ने माफ कर दी है. अक्टूबर से मार्च तक लेट फी निम्न प्रकार रहेगी.

निल रिटर्न - रु.20 प्रतिदिन

▶ निल रिटर्न के अलावा रु. 50 प्रतिदिन

● सवाल - रेस्टोरेंट पर जीएसटी की क्या दर है?

▶ जवाब -

1. एसी/नॉन एसी रेस्टोरेंट
2. रेस्टोरेंट विथ होटल
   ▶ टारिफ 7500 से कम
   ▶ जीएसटी की दर 5 प्रतिशत रहेगी
   ▶ इन दो पर इनपुट क्रेडिट नहीं मिलेगा.
3. रेस्टोरेंट होटल रूम के साथ टारिफ
   ▶ 7500 से ज्यादा
   ▶ जीएसटी की दर 18 प्रतिशत इसमें इनपुट क्रेडिट मिलेगा.
4. आउटडोर कैटरिंग - जीएसटी की दर 18 प्रतिशत इसमें इनपुट क्रेडिट मिलेगा.

हत्या के आरोप से बरी

प्रतिनिधि, 19 नवंबर

अमरावती - स्थानीय जिला व सत्र न्या.डी.डब्ल्यू. मोडक की अदालत ने आरोपी मनीष सुरेश आठवले (चांदूर रेलवे) को हत्या के आरोप से बरी किया. दोषारोप पत्र के अनुसार आरोपी अंडा गाड़ी लगाता था. 7 सितंबर 2014 को सतीश संपतराव भैसे के साथ झगड़ा हुआ. आरोपी मनीष आठवले ने बीयर की बोतल फोड़कर सतीश के गले में घोंप दी. दोपहर 12 बजे यह हत्या हुई. एपीआई इंगोले ने जांच कर दोषारोप पत्र दायर किया था. सुनवाई के दौरान 7 गवाह जांचे गए. आरोपी की ओर से अधि.निसार खान एवं अधि. अलविना खान ने पैरवी की.

11 माह में देश में 79 व राज्य में 19 बाघों की मृत्यु

प्रतिनिधि, 19 नवंबर

नागपुर- 11 माह में देश में 79 व महाराष्ट्र में 19 बाघों की मृत्यु हुई. गत वर्ष देश में 100 बाघों की मृत्यु हुई. केवल 23 माह में 179 बाघों की मृत्यु चिंता की बात है. खासतौर से शिकार के अलावा बिजली करंट और आपसी संघर्ष में बाघों की मृत्यु होने का प्रमाण अधिक है. देश में 2 हजार से अधिक बाघ हैं. मगर पिछले कुछ दिनों में एक के बाद एक बाघों की मृत्यु, शिकार व संघर्ष में बाघों की मृत्यु होने की घटनाएं निरंतर सामने आ रही हैं. संपूर्ण देश का विचार करें तो बीते 11 माह में 79 बाघों की मृत्यु हुई है. जिसमें महाराष्ट्र के 19 बाघों की मृत्यु है. हाल ही में ताडोबा-अंधारी व्याघ्र प्रकल्प के बफर जोन में मात्र डेढ़ साल आयु के बाघ की संघर्ष

में मृत्यु हुई. गत 27 अप्रैल को ब्रम्हपुरी वनविभाग अंतर्गत नागभीड़ में एक बाघ की मृत्यु हुई थी. उसके बाद 3 मई सावली, 18 मई फिर ब्रह्मपुरी के निकट तलोढी, 23 मई चितपल्ली, 27 मई पेंच में 3 बाघों की मृत्यु हुई. 3 जून पुणे के निकट कोथरुढ, 3 जुलाई ताडोबा बफर, 16 जुलाई अंबाबर्वा मेलघाट, 26 अगस्त जूनोना, 14 अक्टूबर बोरअंभारा, 3 नवंबर गढ़चिरोली मारोडा, 7 नवंबर चिमूर अंबाडी, 15 नवंबर ताडोबा बफर ऐसे 19 बाघों की 11 माह में मृत्यु हुई. इसमें से 7 मृत्यु किसानों द्वारा फसलों की सुरक्षा में तार कंपाउंड में बिजली करंट छोड़ने से हुई है. इसमें कुछ मृत्यु दो बाघों की संघर्ष में हुई है. कुछ बांघों की प्राकृतिक मृत्यु हुई है.

शिकार, संघर्ष व बिजली करंट से मृत्यु होने का प्रमाण अधिक

वनविभाग को बिजली करंट और दो बाघों के संघर्ष पर विशेष ध्यान देना पड़ेगा. एक ओर केंद्रीय तथा राज्य वनविभाग बाघों के संवर्धन के लिए विविध उपाय योजना बना रहा है. इस तरह बाघों के नियमित मृत्यु वनविभाग की उपाय योजना को कमजोर साबित कर रहे हैं. इसलिए वनविभाग, वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारियों को ग्रामवासियों को विश्वास में लेकर उपाय योजना करनी पड़ेगी, वरना बाघों की मृत्यु कोई रोक नहीं सकेगा. इस वर्ष 3 बाघों को बोर व चकराला के जंगल में छोड़ा गया. उन 2 बाघों की मृत्यु किसानों द्वारा कंपाउंड में करंट प्रवाहित करने से हुई. इससे स्पष्ट होता है कि बाघों की मृत्यु, शिकार व बाघों में संघर्ष जैसे प्रश्नों पर वनविभाग को अधिक उपाय योजना करनी पड़ेगी.

सईद खान को 'उर्दू साहित्य पुरस्कार' प्रदान

प्रतिनिधि, 19 नवंबर

अकोला - महाराष्ट्र राज्य उर्दू साहित्य अकादमी मुंबई की ओर से हाल ही में मुंबई में आयोजित एक समारोह में अकोला के वरिष्ठ साहित्यकार एवं पूर्व प्राध्यापक सईद अहद खान को 'उर्दू साहित्य पुरस्कार' से नवाजा गया है.

मुंबई के वाई.बी.चव्हाण ऑडिटोरियम में संपन्न हुए सम्मान समारोह की अध्यक्षता राज्य के शिक्षामंत्री विनोद तावड़े ने की. इस अवसर पर मुंबई के पालकमंत्री एवं उद्योग मंत्री सुभाष देसाई, राज्यमंत्री दिलीप कांबले, सांसद अरविंद सावंत, विधायक राज पुरोहित, अबू आसिम आजमी, महापौर विश्वनाथ महाडेश्वर, अल्पसंख्यक विभाग के प्रधान सचिव श्याम तागड़े एवं आदि विशिष्ट अतिथि थे.

इस अवसर पर अकोला के बैदपुरा के हुमायूं रोड निवासी सईद अहमद खान के साहित्य क्षेत्र में सक्रिय एवं महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए उन्हें शिक्षामंत्री विनोद तावड़े के हाथों पुरस्कृत किया गया.

मालूम हो कि, सेवानिवृत्त प्राध्यापक सईद अहमद खान उर्दू एजूकेशन सोसाइटी द्वारा संचालित खान मोहम्मद असगर हुसैन जूनियर कॉलेज में उर्दू के प्राध्यापक थे. उन्होंने हाल ही में 'आप की याद' पुस्तक लिखी है. यही नहीं, उन्होंने इससे पूर्व अधूरा आदमी, खंडहरों का कैदी, नश्तर उतरता है के अलावा बच्चों तथा बड़ी उम्र के लोगों के लिए जासूसी नॉवेल भी लिखे है. उनकी इस उपलब्धि पर सर्वत्र उनका अभिनंदन हो रहा है.

दत्त जयंती निमित्य संत चरित्र कथा

पुरानी बस्ती बडनेरा स्थित दत्त मंदिर में आयोजन

प्रतिनिधि, 19 नवंबर

अमरावती- पुरानी बस्ती बडनेरा हरिबाबा दत्त मंदिर संस्थान में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है. सोमवार, 27 नवंबर की सुबह 8 बजे श्री का रुद्राभिषेक, गणपति पूजन व कलश स्थापना तथा मंच पूजन पार्षद अंभोरे मैडम के हाथों होगा. सुबह 9 से 12 रोजाना श्री गुरुचरित्र पारायण अरविंद वर्हेकर करेंगे.

रोजाना दोपहर 2 से 5 संत चरित्र ज्ञानयज्ञ प्रवचन कथा कैलाश महाराज लोखंडे (आर्णी, वर्धा) के मुखारविंद से होगी. रोज शाम 6 से 7 माणिकराव काले व सपाटे भजन मंडल हरिपाठ करेंगे. मंगलवार, 28 नवंबर की दोपहर 12 से 2 बजे मोनिका देशपांडे का प्रवचन व शाम 8 से 10 आसरा माता महिला भजनी मंडल, मोतीनगर, पुरानीबस्ती बडनेरा का भजन होगा. बुधवार, 29 नवंबर को रात 8 से 10 बजे रामकृष्ण हरि महिला भजनी मंडल तेलीपुरा बडनेरा का भजन, गुरुवार 30 नवंबर की रात 8 से10 बजे जय बजरंगबली भजनी मंडली कंपासपुरा का भजन, शुक्रवार 1 दिसंबर की शाम 4 से 6 बजे ऋशिका गजानन इंगले का रामदासी कीर्तन तथा शाम 8 से 10 बजे महिला भजनी मंडल दत्तवाड़ी बडनेरा पुरानी बस्ती का भजन होगा. 2 दिसंबर की सुबह 9 से 12 बजे एक कुंडी गायत्री यज्ञ रात 8 बजे भजन होगा. रविवार, 3 दिसंबर को गुरुचरित्र पारायण समापन व दोपहर 12 बजे दत्तयागयज्ञ होगा. सोमवार 4 दिसंबर की सुबह 10 बजे गोपाल काला व दोपहर 1 से 5 बजे भव्य महाप्रसाद का आयोजन किया गया है. भक्तों को लाभ लेने का आह्वान आयोजकों ने किया है.

चार माह में 420 आत्महत्या

विदर्भ के 6 जिलों के किसानों की धक्कादायक वास्तविकता उजागर

प्रतिनिधि, 19 नवंबर

वाशिम- विदर्भ के 6 जिलों में बीते चार माह में करीब 420 किसान आत्महत्या होने की धक्कादायक जानकारी सरकारी रिपोर्ट से सामने आई है. इन आंकड़ों में यवतमाल के मुकाबले बुलढाणा और अमरावती जिले में आत्महत्या का प्रमाण सर्वाधिक है. सोयाबीन को समर्थन मूल्य न मिलने की शिकायतें आगे आ रही हैं. ऐसे में कपास को बोंड इल्लियों ने बर्बाद कर दिया है. कर्जमाफी के ऐलान पश्चात उस पर प्रत्यक्ष अमल होने की संभावना नहीं. जिससे आत्महत्या की घटनाओं में दिन-ब-दिन बढ़ोत्तरी होने की जानकारी सूत्रों ने दी.

विदर्भ में किसान आत्महत्या रोकने के लिए लोकसभा और विधानसभा चुनाव के दौरान विविध घोषणाएं की गईं. यवतमाल जिले के दाभडी गांव में चाय पे चर्चा की गई. फाइव एफ फार्मूला बताया गया. साथ ही उत्पादन खर्च के डेढ़ गुना दाम देने का ऐलान किया गया. सिंचाई व्यवस्था, बिजली आपूर्ति सुचारु करने का भरोसा दिया गया था. प्रत्यक्ष तीन साल बाद सच्चाई कुछ अलग ही है. आज किसानों के माल के खरीदी की गारंटी नहीं. व्यापारी खुले बाजार में समर्थन मूल्य से कम दरों में खरीदी कर रहा है. मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने समर्थन मूल्य से कम दरों में कृषि उपज खरीदी करने पर अपराध दर्ज करने का ऐलान किया है. कृषि राज्य मंत्री सदाभाऊ खोत ने ग्रेड न देखते हुए किसानों की उपज को न्यूनतम समर्थन मूल्य दें और आदेश का इंतजार न करते हुए अमल शुरु करने का ऐलान किया था. मगर मंत्री व नेताओं के आदेश लिखित में न मिलने से अधिकारियों में अमल न करने से समर्थन मूल्य से कम दरों में सोयाबीन व कपास खरीदी चल रही है.

आर्थिक संकट में फंसे किसानों की समस्या हल होने के लिए विरोधियों ने कर्जमाफी मांगी. आज-कल करते-करते अंत में 24 जून को मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक कर्जमाफी का ऐलान किया. अब किसानों को सिर पर बना कर्ज का बोझ भरने की जरूरत नहीं थी. मगर कर्जमाफी छलावा बनने की भावना बलवती हुई है. कर्जमाफी का ऐलान तो हुआ मगर क्रियान्वयन का लकवा किसानों के जान पर बन आया है.

विदर्भ संपूर्ण महाराष्ट्र में पिछड़े इलाके के रूप में पहचाना जाता है. विगत दो दशकों से किसान आत्महत्या से संपूर्ण दुनिया का ध्यान इधर है. हल्की जमीन, जल संग्रह, सिंचाई का अभाव कभी प्राकृतिक तो कभी सुल्तानी संकट से किसान झुलस रहा है. इसलिए विदर्भ के अमरावती, अकोला, बुलढाणा, वाशिम, यवतमाल, वर्धा 6 जिलों का चयन वसंतराव नाइक खेती स्वावलंबन मिशन अंतर्गत किया गया.

किसानों की आत्महत्या रोकने व उनका आय बढ़ाकर जीवन स्तर ऊंचा उठने की अपेक्षा थी. मगर वास्तव में नकारात्मक बातें सामने आ रही हैं. मुख्यमंत्री फड़णवीस ने कर्जमाफी का ऐलान तो किया, मगर लाभ किसे यह समझने में दो माह लगे.

विदर्भ की किसान आत्महत्या का सच

माह	आत्महत्या	पात्र	अपात्र	जांच	मदद
जुलाई 2017	87	44	39	4	44
अगस्त 2017	119	48	49	22	48
सितंबर 2017	122	34	20	68	34
अक्टूबर 2017	92	06	06	81	06
कुल	420	132	114	175	132

अमरावती-बुलढाणा डेंजर जोन में

विदर्भ की किसान आत्महत्या कम नहीं हो रही है. वीएनएसएस के अंतर्गत आने वाले जिले के किसान आत्महत्या के चलते विश्व के नक्शे पर आए हैं. सरकार द्वारा कर्जमाफी के ऐलान के बाद जुलाई से अक्टूबर चार माह में बुलढाणा जिला 103, अमरावती जिला 107, यवतमाल जिले में 92 किसान आत्महत्याएं हुई हैं. औसतन इन जिलों में रोजाना एक किसान आत्महत्या हो रही है. अमरावती कॉटन बेल्ट के रूप में पहचाना जाता है. मगर किसान आत्महत्या में अमरावती ने यवतमाल को पीछे छोड़ा है.

किसानों को पसीने के दाम दें : किशोर तिवारी

किसान खेत में पसीना बहाकर अनाज उगाता है. उसके पसीने की कीमत बाजार में नहीं मिलती. कौड़ीमोल दर से कृषि माल खरीदा जाता है. किसानों को उसकी उपज का उचित दाम मिलना जरूरी है. कर्जमाफी किसानों की समस्या हल नहीं कर सकती. कर्जमाफी मांगने वाले और देने वाले दोनों मूर्ख रहने की प्रतिक्रिया किसान स्वावलंबन मिशन के अध्यक्ष किशोर तिवारी ने व्यक्त की.

जख्म घुटने पर और पट्टी माथे पर : तुपकर

सरकार द्वारा घोषित कर्जमाफी योजना छलावा है. वह प्रत्यक्ष में साकार नहीं हुई. आभास निर्माण करना सरकारी की खूबी है. सरकार डिजिटलाइजेशन व विज्ञापन में मग्न है. विदर्भ में कीड़े मकोड़े जैसे लोग मर रहे हैं. इसका पाप सरकार के सिर पर लगेगा. कृषि माल को उचित दाम ही एक उपाय है. वह तत्काल अमल में लाया गया तो किसान आत्महत्या कम होगी. यह राय स्वाभिमान किसान संगठन के रविकांत तुपकर ने दी.

पृष्ठ 9 के समाचारों का शेष

मोर्शी-वरुड़ के संतरा उत्पादक ...

किया. मगर प्रभावी अमल नहीं हो पाया. उत्पादन को अच्छे दाम मिलने के लिए मार्केटिंग व निर्यात जरूरी होता है. संतरे को कभी उचित दाम नहीं मिला. गत दो वर्षों से पणन महासंघ के माध्यम से थोड़ी हलचल शुरू है. महा ऑरेंज के माध्यम से कुछ संतरा श्रीलंका भेजा गया. हजारों टन उत्पादन की तुलना में 20-25 टन संतरा निर्यात कर किसानों को लाभ नहीं मिल सकेगा. पत्र में बताया गया कि संतरा, कपास, सोयाबीन, तुअर विदर्भ की प्रमुख फसलें हैं. उत्पादन बढ़ाने व प्रक्रिया उद्योग के लिए सरकार को पैकेज देना चाहिए. अकाल की स्थिति में सूखे हुए संतरा बागों को आर्थिक मदद मिलनी चाहिए. इस वर्ष मृग बहार न आने से संतरा बागों का सर्वेक्षण कर प्रति हेक्टयर 25 हजार रुपए मदद, डिंक्या निर्मूलन के लिए प्रति हेक्टेयर सुधारित पैकेज, सिट्रस स्टेट पर अमल, बूंद-बूंद सिंचाई के लिए केंद्र का अनुदान, संतरा उत्पादन से तकनीकी ज्ञान, पणन प्रक्रिया तक जाल, एडीडीबी या कंपनियों का सहयोग, संतरा उत्पादकों के लिए विशेषज्ञों का मार्गदर्शन, फल फसल बीमा आदि मांगों की ओर ध्यान आकर्षित किया.

मिनीडोर-कार की टक्कर ...

सतीश मालटे, नामदेव राठौड़ व जवलेकर के पैरों पर गंभीर चोट आयी. कार में सवार बिहार निवासी और मोर्शी में बैंक ऑफ इंडिया के मैनेजर पद पर कार्यरत संतोष कुमार व उनकी पत्नी तथा बेटा भी मामूली रूप से घायल हैं. कार में एयर बैग रहने से गंभीर चोट नहीं आयी. मिनीडोर के तीनों घायलों को पहले मुर्तिजापुर सरकारी अस्पताल पश्चात अकोला रेफर किया गया. सूचना मिलते ही थानेदार नितिन पाटिल दलबल के साथ पहुंचे. दुर्घटना से कुछ देर के लिए यातायात बाधित रहा.

बैंकों से ऑनलाइन ठगी ...

निरपराध बैंक ग्राहक बेवजह लूटे जा रहे हैं. इनमें कुछ पुलिसकर्मियों का भी सहभाग है. कोई भी ग्राहक बड़े विश्वास और पुख्ता दस्तावेजों के आधार पर अपनी पूंजी बैंक के पास सुरक्षित रखता है. उस बैंक में वह रकम अधिकारियों की कस्टडी में रहती है. बैंक से रकम निकालना हो तो एक प्रक्रिया से गुजरना होता है. ऐसे में अगर उसकी रकम कोई ठग परस्पर बैंक खाते से उड़ा रहा है तो निश्चित ही बैंक की भूमिका रहनी चाहिए. मगर अब तक ऑनलाइन ठगी के मामले में बैंक की भूमिका भी निश्चित नहीं की गई है. जिससे बैंक प्रबंधन ग्राहकों की ठगी मामले में मूकदर्शक बने हुए हैं. ग्राहकों के सामने हाथ खड़े कर सीधे पुलिस की ओर उंगली उठा रहे हैं. शहर सहित जिलेभर को शांति ऑनलाइन ठगबाजों ने अपना निशाना बनाया हुआ है. शहर की गरीब जनता को और गरीब बनाने पर तुली इस गैंग पर पुलिस हावी क्यों नहीं हो पा रही. यह बड़ा सवाल इन दिनों नागरिकों के मन में आ रहा है. अपनी मेहनत की कमाई, पूरे विश्वास के साथ लोग बैंक खातों में जमा करते हैं, लेकिन हजारों किमी दूर से शांति हैकर खातों से चंद मिनटों में रकम उड़ा लेते हैं. इन हैकरों के आगे साइबर सेल की हाईटेक प्रणाली भी शून्य हो गयी है. ठगी के मामले में आरोपियों तक पहुंचने के लिए पुलिस हवा में हाथ-पैर मारती नजर आ रही है, किसी वारदात को अंजाम देने के लिए अपराधी फर्जी दस्तावेज पर सिमकार्ड लेकर फोन लगाते हैं ताकि पुलिस पकड़ न ले, क्योंकि पुलिस की हाईटेक प्रणाली से अपराधी भी डरे हुए थे. लेकिन इन दिनों जम कर ठगी की जा रही है. क्योंकि पुलिस की हाईटेक सिस्टम को सही हाथों से ऑपरेट नहीं किया जाता. इस वजह से पुलिस आरोपियों तक नहीं पहुंच पाती.

संभाग में सफेद सोना चट कर गई बोंड इल्लियां

पृष्ठ 9 से जारी - के साथ अपनी व्यथा बताई.

पूरी तरह मायूसी

जानकारों के मुताबिक एक माह पूर्व अतिरिक्त बारिश (लौटते मानसून) से कपास की जड़ सड़ने लगी थी. किसानों का पूरी दारोमदार कपास की जड़ व बोंड पर निर्भर रहता है. जड़ की बोंड का कपास वजनदार माना जाता है. पत्ते झड़ने और जड़ की बोंड सड़ जाने से आधी फसल का नुकसान पहले ही हो गया था. मगर अब कपास के ऊपरी हिस्से में लगे फूल से कपास की बोंड कच्ची अवस्था में देखे जाने पर बोंड पीले होकर झड़ रहे हैं. बोंड इल्लियों के प्रकोप से बोंड उगने के पूर्व ही चट हो रहे हैं. सिंचित खेतों में गुलाबी बोंड इल्ली का सर्वाधिक प्रकोप है.

राशिफल

राशि	फल
मेष	जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी.
वृष	प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. अवरुद्ध कार्य आनंददायक हो जाएंगे.
मिथुन	कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी.
कर्क	पैतृक संपत्ति से लाभ. कारोबारी यात्रा को फिलहाल टाले. शैक्षणिक कार्य पूरे होंगे.
सिंह	व्यापार में स्थिति नरम रहेगी. शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे.
कन्या	मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. यात्रा का दुरगामी परिणाम मिल जाएगा.
तुला	यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी.
वृश्चिक	मेहमानों का आगमन होगा. राजकीय कार्यों से लाभ. पुरानी गलती का पश्चाताप होगा.
धनु	आय के अच्छे योग बनेंगे. संतान की उन्नति के योग है. स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा.
मकर	आगे-आगे गौरख जागे वाली कहावत चरितार्थ होगी. मेहमानों का आगमन होगा.
कुंभ	मान-सम्मान बढ़ेगा. नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे.
मीन	व्यवसाय में सफलता मिलेगी. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी.

दैनिक पंचांग

20 नवम्बर 2017 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	वृश्चिक	6.00 ब. से
चंद्र	वृश्चिक में	धनु	8.20 बजे से
मंगल	कन्या में	मकर	10.25 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	12.11 बजे से
गुरु	तुला में	मीन	13.44 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	15.15 बजे से
शनि	धनु में	वृष	16.55 बजे से
राहु	कर्क में	मिथुन	18.53 बजे से
केतु	मकर में	कर्क	21.06 बजे से
		सिंह	23.22 बजे से
		कन्या	1.34 बजे से
		तुला	3.45 बजे से

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

सोमवार 2017 वर्ष का 323 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2074 **शक संवत्** 1939 **मास** मृगशीर्ष **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वितीया 21.36 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** ज्येष्ठा 00.48 बजे रात्र को समाप्त। **योग** सुकर्मा 22.31 बजे को समाप्त। **करण** बालव 8.24 बजे तदनन्तर कौलव 4.45 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 1.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 19° 41' **सूर्य** दक्षिणायण **कलि अहर्गण** 1869612 **जूलियन दिन** 2458077.5 **कलियुग संवत्** 5119 **कल्पारंभ संवत्** 1972949117 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885117 **वीरनिर्वाण संवत्** 2543 **हिजरी सन्** 1439 **महीना** सफर **तारीख** 30 **विशेष** चन्द्र दर्शन।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06.01 से	07.30 बजे तक	चर	06.01 से	07.30 बजे तक
काल	07.31 से	09.00 बजे तक	रोग	07.31 से	09.00 बजे तक
शुभ	09.01 से	10.30 बजे तक	काल	09.01 से	10.30 बजे तक
रोग	10.31 से	12.00 बजे तक	लाभ	10.31 से	12.00 बजे तक
उद्वेग	12.01 से	01.30 बजे तक	उद्वेग	12.01 से	01.30 बजे तक
चर	01.31 से	03.00 बजे तक	शुभ	01.31 से	03.00 बजे तक
लाभ	03.01 से	04.30 बजे तक	अमृत	03.01 से	04.30 बजे तक
अमृत	04.31 से	06.00 बजे तक	चर	04.31 से	06.00 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ मंगल सैणचा, बेंगलोर